

## टिप्पणियां :

1. सार लेखन तैयार करने से संबंधित प्रश्न के उत्तर का मूल्यांकन करते समय परीक्षार्थी द्वारा उन्हें समझने और सरल शब्दों का प्रयोग करते हुए उसे छोटे वाक्यों में व्यक्त करने की योग्यता का मूल्यांकन किया जाएगा। उससे यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह गद्यांश को चयनित रूप में दोहरा दे।
2. इस प्रश्न पत्र में 7 प्रश्न और 3 पृष्ठ हैं।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. परीक्षार्थियों को उत्तर पुस्तिका में दिए गए स्थान पर इस प्रश्न पत्र की पुस्तिका की कोड संख्या लिखनी चाहिए।
5. उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर दी गई सारणी में उत्तर पुस्तिका के उस पृष्ठ संख्या का उल्लेख कीजिए जिसमें प्रत्येक प्रश्न अथवा उनके भाग का उत्तर दिया गया हो।
6. प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अलग-अलग प्रकार के पेन/स्याही का प्रयोग न करें। ऐसा करने पर उत्तर पुस्तिका अमान्य हो जाएगी।
7. उत्तर पुस्तिका में छोड़े गए किसी भी/सभी खाली स्थानों को या खाली पन्नों को रेखा खींचकर काट दीजिए।
8. हिन्दी और अंग्रेजी पाठ में कोई अंतर होने की स्थिति में अंग्रेजी पाठ को सही माना जाएगा।

1. निम्नलिखित गद्यांश का इसकी लम्बाई का लगभग 1/3 सार लिखिए और उसे एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

[25 अंक]

भारत की मुख्य समस्याओं में से एक है बेरोजगारी। बेरोजगारी का अर्थ है ऐसी स्थिति जिसमें किसी व्यक्ति को अपनी जीविका अर्जित करने का कोई अवसर ही प्राप्त न हो। जनसंख्या की असामान्य वृद्धि ने भारत में बेरोजगारी की समस्या को बढ़ा दिया है। स्वतंत्रता प्राप्ति से भारत की जनसंख्या इसकी कुल जनसंख्या का तीन गुना बढ़ गई है। कुल जनसंख्या की एक-तिहाई से भी अधिक अभी भी गरीबी की रेखा से नीचे रहती है। यही कारण है कि रोजगार की समस्या वर्ष प्रति वर्ष अधिकाधिक गम्भीर होती जा रही है।

देश में कुछ मुख्य किस्म की बेरोजगारी इस प्रकार है

1. खुली बेरोजगारी:

खुली बेरोजगारी एक ऐसी स्थिति है जिसमें श्रमिकों की बड़ी संख्या को ऐसा काम नहीं मिलता जिससे उन्हें नियमित आमदनी हो। इस प्रकार की बेरोजगारी को बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या के रूप में देखा और गिना जा सकता है।

2. मौसमी बेरोजगारी:

यह ऐसी बेरोजगारी है जो वर्ष के कुछ मौसमों के दौरान होती है। कुछ उद्योगों और काम-धंधों जैसे कि कृषि, छुट्टी के दौरान सैर-सपाटे के स्थानों, बर्फ के कारखानों आदि, में उत्पादन कार्य केवल कुछ मौसमों में ही होता है। इसलिए वे वर्ष में केवल कुछ समय के लिए ही रोजगार देते हैं। इस प्रकार के कार्यकलापों में लगे हुए लोग विपरीत मौसम होने पर बेरोजगार हो सकते हैं।

3. शिक्षितों की बेरोजगारी:

शिक्षित व्यक्तियों में से, खुली बेरोजगारी के अलावा, बहुत से व्यक्तियों को निम्नस्तर का रोजगार मिल रहा है क्योंकि उनकी योग्यता काम से मेल नहीं खाती। दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली, बड़ी संख्या में शिक्षित होते लोग, सफेदपोश कार्य का महत्व, रोजगार कौशल की कमी, निश्चित वेतन वाली नौकरियों का कम होना भारत में शिक्षित युवाओं के बीच बेरोजगारी के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

#### 4. प्रौद्योगिकीय बेरोजगारी:

इस प्रकार की बेरोजगारी उत्पादन की तकनीकों में होने वाले बदलाव का परिणाम है जहां अधिक श्रमिकों की आवश्यकता नहीं होती। आधुनिक प्रौद्योगिकी के पूंजी प्रधान होने के परिणामस्वरूप उसके लिए कम श्रमिकों की आवश्यकता होती है जिससे इस प्रकार की आवश्यकता होती है जिससे इस प्रकार की बेरोजगारी होती है।

बेरोजगारी के कुछ कारण इस प्रकार हैं

- (क) जनसंख्या विस्फोट।
- (ख) भारत में औद्योगिक विकास की गति अभी भी धीमी है। देश में कृषि क्षेत्र अभी भी सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है।
- (ग) व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा की कमी।
- (घ) ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में दफ्तरों में नौकरी पाने के लिए शहरों में आने की प्रवृत्ति बढ़ी है। स्वरोजगार स्कीमों में उनकी रुचि कम है।
- (ङ) व्यावहारिक ज्ञान कम होने के कारण हजारों स्नातक, स्नातकोत्तर, योग्य इंजीनियर अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद बेरोजगार रह जाते हैं।
- (च) कुछ लोगों के लिए सफेदपोश नौकरी प्राप्त करना उनकी कमजोरी होती है। वे कम वेतन पर क्लर्क के रूप में काम करके स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। वे व्यवसाय करने को अच्छा नहीं समझते क्योंकि उसमें उन्हें कुछ पूंजी का जोखिम उठाना पड़ता है। व्यवसाय की अनिश्चितताएं उन्हें भयभीत करती हैं।

भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान इस प्रकार हैं

1. गांवों को अपनी अर्थ व्यवस्था में आत्मनिर्भर बनना चाहिए ताकि वे नौकरी पाने के लिए शहरों की तरफ न भागें। ग्राम तथा कुटीर उद्योग का विकास किया जाना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि बड़े शहरों में अधिक जनसंख्या होने से अधिक भीड़-भाड़ नहीं होगी। नौकरियों/रिक्त पदों और नौकरी पाने वाले उम्मीदवारों के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायता प्राप्त होगी।
2. ग्रामीण लोगों को खेती करने के बेहतर तरीके सिखाए जाने चाहिए। किसान फसलों की मात्रा और गुणता को बढ़ाकर अधिक धन कमा सकते हैं। वे सिंचाई के बेहतर तरीके अपनाकर, अच्छी किस्म के बीजों के उपयोग आदि द्वारा यह स्थिति प्राप्त कर सकते हैं।
3. शिक्षा की वर्तमान प्रणाली में भी आमूल परिवर्तन किया जाना चाहिए। छात्रों को केवल सैद्धांतिक शिक्षा के बजाए व्यावसायिक प्रशिक्षण अथवा औद्योगिक अनुभव प्रदान किया जाना चाहिए ताकि वे अपनी शिक्षा पूरी करने के पश्चात कुछ काम-धंधा शुरू कर सकें। ये संस्थान एक ऐसा छात्र तैयार करें जो किसी एक व्यवसाय विशेष का कौशल और ज्ञान रखता हो। विभिन्न उद्योगों में कुशल व्यक्तियों की मांग बढ़ती जा रही है।
4. देश को औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना चाहिए ताकि कामगारों को काम के अधिक अवसर प्राप्त हो सकें। श्रमिकों की प्रधानता वाले ऐसे उद्योगों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जिनमें विभिन्न प्रकार की कुशलता रखने वाले हजारों व्यक्तियों को काम पर रखा जा सके।
5. बेरोजगार युवाओं को ऋण प्राप्त करने की सुविधा दी जानी चाहिए जिससे वे छोटे-मोटे काम धंधे शुरू कर सकें।
6. अंतिम, परन्तु महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत में बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाकर जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाई जानी चाहिए।

निष्कर्ष

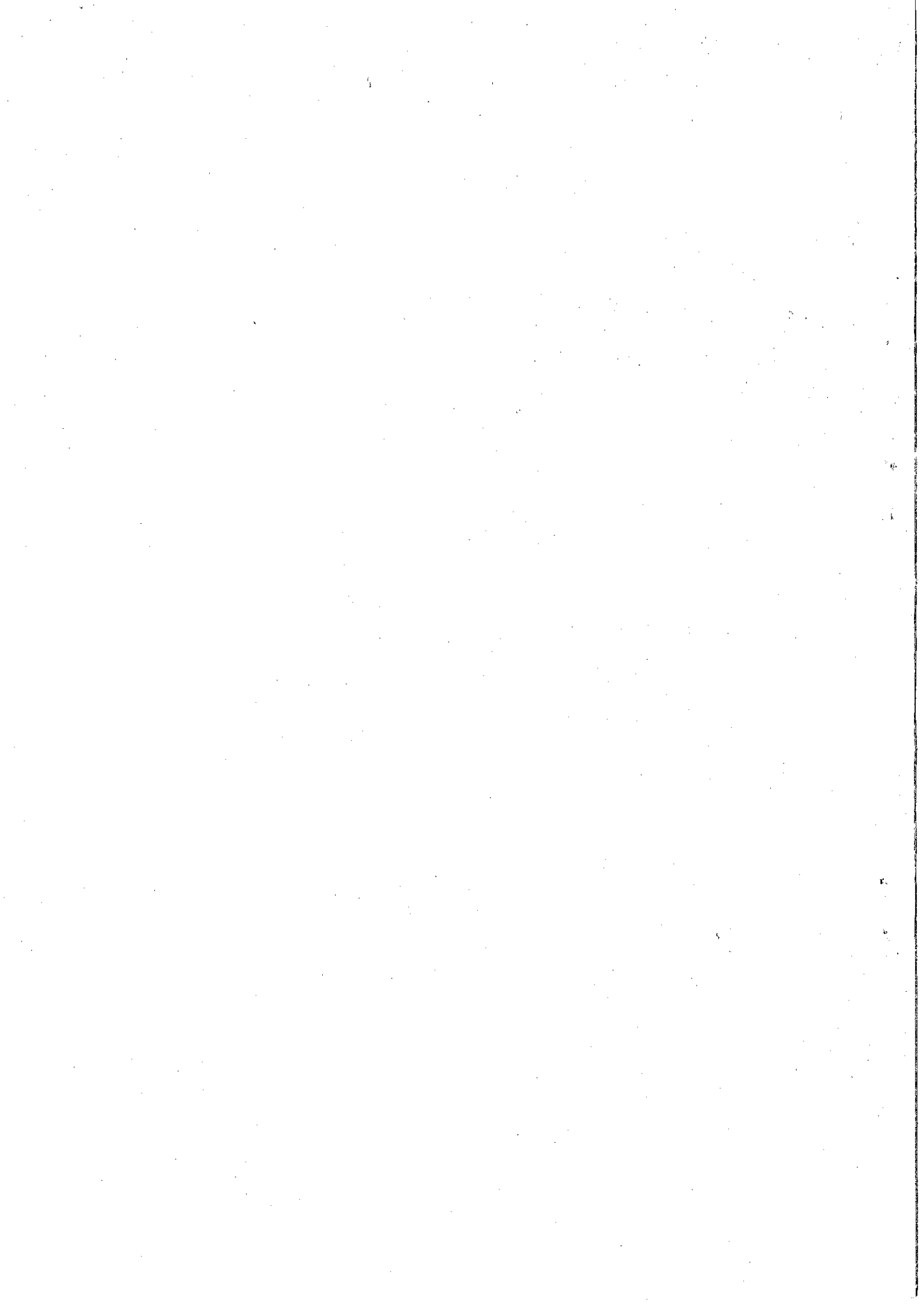
हमें इस बात को सदैव ध्यान में रखना चाहिए कि स्वयं की सहायता सर्वोत्तम सहायता होती है। हमें इस कटु सत्य को स्वीकार कर लेना चाहिए कि कोई भी सरकार सभी बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकती। केवल सरकारी उपाय इतनी विशाल समस्या का समाधान नहीं कर सकते। सरकार का सबसे बड़ा योगदान यही होगा कि स्वरोजगार के अवसर उत्पन्न करने के उपाय किए जाएं। (824 शब्द)

2. उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में लिखिए:

[5x3=15 अंक]

- (i) बेरोजगारी क्या है? बेरोजगारी के 2 प्रकारों के नाम लिखिए।
- (ii) देश में बेरोजगारी के 4 कारण लिखिए।
- (iii) देश में बेरोजगारी को दूर करने के 3 समाधान लिखिए।

3. कागज के उपयोग में किफायत बरतने और जहां संभव हो सरकारी दस्तावेजों का डिजीटाइजेशन करने के बारे में सचिव(व्यय) के विधिवत अनुमोदन के पश्चात् व्यय विभाग के निदेशक (समन्वय) द्वारा भारत सरकार के सभी सचिवों को जारी किए जाने वाले कार्यालय ज्ञापन का मसौदा तैयार कीजिए। [20 अंक]
4. आधार को अनिवार्य किया जाना कल्याण स्कीमों का जरूरतमंदों तक पहुंचना और भ्रष्टाचार को समाप्त करना किस सीमा तक सुनिश्चित करेगा? लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिए। [25 अंक]
5. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखें:- [1x5=5 अंक]
- जिसे जीता न जा सके।
  - जिसका कोई शत्रु न हो।
  - दूर की सोच रखने वाला।
  - जिस पर विश्वास न किया जा सके।
  - जो कानून के विरुद्ध हो।
6. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों/वाक्यांशों का उपयुक्त हिन्दी शब्द/वाक्यांश लिखें:- [1x5= अंक]
- affidavit
  - convener
  - mortgage
  - in lieu of
  - hard and fast rules
7. निदेशानुसार लिखें :- [1x5=5 अंक]
- अमृत (दो पर्यायवाची शब्द लिखें)।
  - उत्कृष्ट (विलोम शब्द लिखें)।
  - तिल का ताड़ बनाना (मुहावरे का अर्थ लिखें और वाक्य बनाएं)।
  - वे गुनगुने गर्म पानी से स्नान करते हैं (वाक्य को शुद्ध करके लिखिए)।
  - लोभ करने वाला (एक शब्द लिखें)।



AAE – 1 (E)

ASSISTANT ACCOUNTS OFFICER (CIVIL) EXAMINATION, 2017

DECEMBER, 2017

PRECIS AND DRAFT

Time Allowed : 3 Hours

Maximum Marks : 100

**Note :** 1. While evaluating the question on precis, the candidates would be evaluated for their understanding and ability to express the same in short sentences using simple words. He would not be expected to reproduce the passage selectively.

2. This question paper contains 7 questions and 3 pages.
3. All the questions are **compulsory**.
4. Candidates should write the Booklet Code No. of this question paper on their answersheet in the space provided.
5. In the table provided on the front cover page of the answer book, indicate the page number of the answer book where answer to each question or part thereof is written.
6. **Do not use different pens/ink for answering questions. Doing so may render the answer script invalid.**
7. Strike off all blank pages/space in the answer books.
8. In case of variation between English & Hindi versions, English version will be treated as correct.

1. Write a précis of the following passage in about 1/3 of its length and give a suitable title.

[25 marks]

One of the major problems of India is unemployment. Unemployment means the state of being without any opportunity of earning one's livelihood. The abnormal rise in population has intensified the problem of unemployment in India. Since independence the population of India has increased by three times its total. More than one-third of the total population still lives below the poverty line. That is why the problem of employment has been getting more and more acute every year.

Some of the major types of unemployment in the country are :

1. Open Unemployment:

Open unemployment is a situation where in a large section of the labour force does not get a job that may yield them regular income. This type of unemployment can be seen and counted in terms of the number of unemployed persons.

2. Seasonal Unemployment:

It is unemployment that occurs during certain seasons of the year. In some industries and occupations like agriculture, holiday resorts, ice factories etc., production activities take place only in some seasons. So they offer employment for only a certain period of time in a year. People engaged in such type of activities may remain unemployed during the off-season.

3. Educated Unemployment:

Among the educated people, apart from open unemployment, many are underemployed because their qualification does not match the job. Faulty education system, mass output, preference for white collar jobs, lack of employable skills and dwindling formal salaried jobs are mainly responsible for unemployment among educated youths in India.

#### 4. Technological Unemployment :

It is the result of certain changes in the techniques of production which may not warrant much labour. Modern technology being capital intensive requires less labourers and contributes to this kind of unemployment.

Some of the reasons for unemployment are :

- (a) Population explosion.
- (b) The industrial scenario in India is still slow to flourish.
- (c) Lack of vocational and technical education.
- (d) People from rural areas have developed a tendency to migrate to the cities for office jobs. They find little interest in self-employment schemes.
- (e) Due to the lack of practical knowledge, thousands of graduates, post graduates, qualified engineers remain idle after completing their education.
- (f) Some people have a weakness for white-collared jobs. They prefer the security of working as clerks on small salary. They are against joining business that requires them to put some capital at risk. The uncertainties of business frighten them.

The solution for unemployment problem in India are :

1. The villages should become self-sufficient in their economy so that the villagers would not run to the cities in search of jobs. The village and cottage industry should be developed. This would ensure that the large-cities are not overcrowded with huge population. It would help maintain a balance between the job/vacancy and the job seekers.
2. Rural people should be taught better methods of agriculture. The cultivators can earn more by increasing the quantity and quality of crops. This can be done by implementing better irrigation methods, high quality seeds, etc.
3. The system of present education should also be changed radically. Instead of giving only theoretical education the students should be given vocational training or given industrial experience, so that they can start some work after they finish their education. These institutes prepare a student with skill and knowledge for a particular trade. There is growing demand for skilled people in various industries.
4. The country should promote industrialization so that more job opportunities can be created for the workers. The focus should be on labour intensive industries that employ thousands of man-powers of varied skills.
5. Loan facilities should be extended among the unemployed youths so that they may set up small industries.
6. Last, but not the least, to solve the problem of unemployment in India, the growth of population must be checked through various measures.

#### Conclusion

We should keep in mind that self-help is the best help. We must admit the bitter fact that no government can provide employment to all the unemployed youths. More government measures cannot solve such an enormous problem. The biggest contribution by government would be to adopt measures to create opportunities for self-employment. (722 words)

2. Answer the following questions on the basis of the passage above within 50 words each:

[5x3=15 marks]

- (i) What is unemployment? Name 2 types of unemployment?
- (ii) Give 4 reasons for unemployment in the country?
- (iii) Give 3 solutions to get rid of unemployment in the country.

3. Draft an OM to be issued by Director (Co-ordination), Department of Expenditure, after due approval of Secretary (Expenditure) to all Secretaries to Government of India, regarding economy in use of paper and digitisation of official documents wherever possible. [20 marks]
4. "How far will making Aadhar mandatory ensure welfare schemes reaching to the needy and curb corruption?" Comment in approximately 150 words. [25 marks]
5. Complete the following sentences with appropriate prepositions: [1x5=5 marks]
- (i) Every citizen should abide \_\_\_\_\_ the laws of his country.
  - (ii) He goes \_\_\_\_\_ School by bus.
  - (iii) My friend has been living in Delhi \_\_\_\_\_ 2 years.
  - (iv) While riding, he fell \_\_\_\_\_ the horse and got hurt.
  - (v) I have been waiting for Radha \_\_\_\_\_ 7 o' clock.
6. Use appropriate form of the verbs given within the brackets : [1x5=5 marks]
- (i) \_\_\_\_\_ a letter now. (write)
  - (ii) Our bus \_\_\_\_\_ at 7.30 AM yesterday. (arrive)
  - (iii) The sun \_\_\_\_\_ in the East. (rise)
  - (iv) He \_\_\_\_\_ to get some milk. (go)
  - (v) She \_\_\_\_\_ chocolate every day. (eat)
7. Do as directed in the bracket: [1x5=5 marks]
- (i) Leaf (give the plural form).
  - (ii) Some boys were helping the wounded man (Change into passive voice).
  - (iii) I have no \_\_\_\_\_ motive in offering you help (Use adjective).
  - (iv) High (Opposite).
  - (v) A written statement on oath (Give one word).

